>

Title: Need to rehabilitate Hindus who have migrated from Pakistan.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): महोदय, मैं शून्य काल में इस महत्वपूर्ण विषय को उठाना चाहता हूं। इस सम्बन्ध में मैं लोक सभा की वाद-विवाद पुस्तक में से कुछ अंश पढ़ना चाहूंगा, जब उस वक्त इस विषय पर चर्चा हुई थी, तब ये बातें कही गई थीं। मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा और वह कुछेक लाइन पढ़कर तथा संक्षेप में अपनी बात समाप्त कर दूंगा।

सभापति महोदय : क्या कोई कविता है?

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : जी नहीं।

> "हिन्दुस्तान और पाकिस्तान दोनों जगहों की जनता के सामने एक महान आदर्श रखें। किस तरह से जीने का अधिकार शायद दुनिया का सबसे बड़ा अधिकार है। जीने का अधिकार यह है महत्वपूर्ण कि हिन्दुस्तान का मुसलमान जीए और पाकिस्तान का हिन्दू जीए। मैं इस बात को बिल्कुल ठुकराता हूं कि पाकिस्तान के हिन्दू पाकिस्तान के नागरिक हैं इसलिए हमें उनकी परवाह नहीं करनी है। पाकिस्तान का हिन्दू चाहे जहां का नागरिक हो, लेकिन उसकी रक्षा करना हमारा उतना ही कर्त्तव्य है, जितना हिन्दुस्तान के हिन्दू और मुसलमान की। तो यह तर्क दे देना कि कौन कहां का नागरिक है, यह व्यर्थ है। इस मामले को बिगाड़ देता है। जीवन का अधिकार, जीवन की सुरक्षा हमें सबको देनी है।"

ये बातें डॉ. राम मनोहर लोहिया ने इसी सदन में 3 अप्रेल, 1964 को चर्चा के दौरान कही थीं। मैंने इसलिए इसे उठाया है कि लोग यह न समझें कि यह विश्व हिन्दू परिषद या संघ परिवार की दृष्टि है या भारतीय जनता पार्टी की दृष्टि है। डॉ. राम मनोहर लोहिया विश्व के विख्यात समाजवादी नेता थे। उन्होंने इस प्रश्न को उस समय उठाय था। आज यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान के कुछ हिन्दू नागरिक हिन्दुस्तान आए हुए हैं। उनके वीजा की अवधि खत्म हो गई है, वे लोग यहां मजनूं का टीला पर दिल्ली में बसे हुए हैं।

सभापति महोदय: हुक्मदेव जी, एक मिनट के लिए आपको टोकूंगा। मैंने आज ही अखबार में पढ़ा है कि इस मुद्दे पर हाई कोर्ट ने कुछ डायरेक्शन भी इश्यू की है और सरकार से पूछा है।

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): सरकार को कुछ आदेश दिया जाए और कहा जाए कि उन्हें शरणार्थी के रूप में मान्यता दी जाए।...(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : अगर किसी तरह का निर्देश है, जो पाकिस्तान के हिंदू आएं हैं, यहां रुके हैं, उनका वीजा खत्म है और वे वापिस नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि वहां उनको जान-माल, अपनी संस्कृति और धर्म का खतरा है। जिस तरह से हिंदुस्तान में हम मुसलमान को पूरी तरह से अपना भाई मानते हैं और उनके हर अधिकार के सुरक्षा की गारंटी लेते हैं, तो उसी तरह पाकिस्तान में जो हिंदू हैं, उन हिंदुओं को सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक कृत्य करने में अगर किसी तरह की कठिनाई होती है, तो भारत सरकार को उसी तरह उसमें हस्तक्षेप करना चाहिए, जिस तरह से हिंदुस्तान के हिंदू और मुसलमानों को हम सुरक्षा देते हैं। पाकिस्तान के हिंदुओं के लिए या भारत के बाहर दुनिया में कहीं भी हिंदू बसे हुए हों, उनके सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक अधिकार में अगर खलल पड़ती हो, तो भारत सरकार को उसमें हस्तक्षेप करना चाहिए और उन्हें उनका अधिकार दिलाना चाहिए। यह मेरा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है।

सभापति महोदय : श्री अर्जुन मेघवाल, श्री गोविंद प्रसाद मिश्र और श्रीमती जयश्रीबेन पटेल अपने को श्री हुक्मदेव नारायण यादव द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करते हैं।

बंसल जी, क्या आप इस विषय पर कुछ रिस्पोंड करना चाहेंगे?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Sir, I cannot respond to the things spontaneously. But since you have asked me to stand up, I can only say that I will send this matter to the hon. Home Minister. He will look into the matter.

MR. CHAIRMAN : Shri Suresh Kashinath Taware – not there.

Shri S. Semmalai